भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 4008
सोमवार, 30 मार्च, 2026 (9 चैत्र 1948 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानन क्षेत्र की विफलता

4008. श्रीमती सागरिका घोषः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय विमानन क्षेत्र में दो प्रमुख कंपनियों का आधिपत्य है;

(ख) दिसंबर 2025 में इंडिगो द्वारा रद्द की गई उड़ानों की संख्या कितनी है;

(ग) डीजीसीए द्वारा निर्धारित मुआवजा राशि और वास्तव में संवितरित राशि कितनी-कितनी है;

(घ) जनवरी 2026 तक एयरलाइन की घरेलू बाजार हिस्सेदारी कितनी है;

(ङ) रद्द उड़ानों के कारण एयरलाइन-वार कितना नुकसान हुआ है;

(च) रद्द उड़ानों के कारण यात्रियों को हुए कुल कितना नुकसान हुआ है; और

(छ) उन फंसे हुए यात्रियों का आंकड़ा क्या है जिन्हें धनवापसी या वैकल्पिक उड़ानें नहीं दी गईं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में मेसर्स इंडिगो की लगभग 64.0% बाजार हिस्सेदारी है, जबकि एअर इंडिया ग्रुप की 27.0% हिस्सेदारी है। इसके साथ, ये दोनों एयरलाइनें घरेलू बाजार का 91% हिस्सा रखती हैं।

(ख) और (ग): एयरलाइनों द्वारा डीजीसीए को प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 के दौरान मेसर्स इंडिगो ने 5,689 निर्धारित घरेलू उड़ानों को रद्द किया। दिनांक 23.03.2026 तक, मेसर्स इंडिगो द्वारा मुआवजे के रूप में 4,620.5 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस एयरलाइन ने डीजीसीए को सूचित किया है कि बड़े पैमाने पर व्यवधान के दौरान उड़ान रद्दकरण से संबंधित सभी रिफंड संसाधित किए गए हैं और भुगतान के ओरिजनल मोड में जमा किए गए हैं।

(घ) जनवरी 2026 के लिए अनुसूचित घरेलू एयरलाइनों की बाजार हिस्सेदारी का उल्लेख निम्नलिखित है:

1. एलाइंस एअर - 0.4%
2. एअर इंडिया - 26.5%

3. अकासा एअर - 4.8%
4. इंडिगो - 63.6%
5. स्पाइस जेट - 3.9%
6. फ्लाई91 - 0.2%
7. इंडियावन एअर - 0.01%
8. स्टार एअर - 0.6%

(ङ) से (छ): रद्द की गई उड़ानों के कारण एयरलाइन-वार नुकसान और यात्रियों को हुए संचयी नुकसान का कोई भी डेटा डीजीसीए द्वारा नहीं रखा जाता है। मेसर्स इंडिगो द्वारा डीजीसीए को प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, 3 से 5 दिसंबर 2025 के दौरान प्रमुख उड़ान व्यवधानों के कारण कुल 3,64,933 यात्री प्रभावित हुए थे। एयरलाइन ने आगे सूचित किया है कि उक्त व्यवधान के दौरान उड़ान रद्दकरण से संबंधित सभी रिफंड पूर्ण रूप से संसाधित किए गए हैं और भुगतान के ओरिजनल मोड में जमा किए गए हैं।

*****